05/12/2013; Issue 024; ₹ 1

पं ग वा ड़ी मा सि क प त्रि का

तुबारि

www.pangi.in

पंगवाड़ी भाषा विकास वेबसाईट
पंगवाड़ी, हिन्दी त अंग्रेजी टाई भाषा अन्तर असी।

खास मुहावरे त कहावत

- मुहँ फुलाइ बुशण - "उशकि घेण" - 'नराज हो जाना' - बरा महोना धिक-धिक बोकी पुठ मुहँ फुलाइ न बुशण।
- मिट्टी माधो - "जगरा" - 'निरा मुर्ख' - सोब गभुर रमेश मिट्टी माधो मनतेथ।
- नानि याद ऐण - "डर घेण" - 'घबराना' - सुआ मेहंगाई अन्तर सोभी अपु नानि याद ऐइ गई।
- दंत खटे करण - "बुरी तरह हरण' - तसे बउठी तसे दंत खटे कइ छओ असे।
- गड़े हार - "सुआ टियारा"- 'बहुत प्यारा' - में कुइ में गड़े हार भो।
- खाला जी ए घर - "सुखतु कम"- आसान काम - इस टेम दशमी कलास पास करण खाला जी ए घर नेई।

- खुने प्यासा - 'कट्टर दुश्मण' - इस जबाने भाइ-भाई खुने प्यासा भोइ गओ असा।
- कोल्हु बेल भुण - "कमेएर" - रात दिन काम करने वाला - कोल्हु बेल बण कइ बी इस साम गुजारा न भुन्ता।
- खा उछाड़ण - 'लांछन लगाना, बदनाम करना' - सुआ दुष्ट महेणु होरी पुठ ती खा - कीचड़ उछाड़ते।
- कन पतु जुँ बी न हंटती - 'कुछ असर न होना' - अउ बिटू समझाइ-समझाइ थकी गई,पर तसे कन पतु जुँ बी न हंठी।
- तलबे चटण - "मतलबी" - 'चापलूसी करना' - मनीश होरी तलबे चठी कइ अपु कम कड़णे ती उसताज असा
- अपु मुँह मिया मिठू भुण - "बधरीण" - 'अपनी तरीफ खुद करना' - सोनू हमेशा अपु मुँह मिया मिठू बणता।
- धरती,अमर कठू करणु - 'बहुत मेहनत करना' - पुलिस बाड़ी चोर टाण जे धरती, अमर कुठू कइ छडा।
- भरंग शिकारी बेल, कुती हगाण - बाहने बड़ाण - हमेशा काम के समय भाग जाना - शामु तउ भरंग शिकारी बेल कुती इ हगाण किस ऐन्ती बरा।
- राकसिणि मोसि भूण - 'जबरदस्ती का रिश्ता बनाना' - हा! आ बारा तु पुरी में राकसडी मओसी भोइ गई।
- ढेबू ढडुड़ करण - "सुआ खाण" - बहुत ज्यादा खाना - बरा रामु थोडु खा तेइ सिद ढेबू ढडुड़ कइ छऊ।
- हगअटु भॅरोठु करण- 'सारा काम एक साथ खत्म करना'। रीतू मठे कम कर, तेइ किस हगअटु भॅरोठु करण लओ असु।

तुबारि संपादकीय टीम

♦अस इ उम्मिद करुं लगो से कि एण बाड़े दिन अन्तर सुआ मेहणु इस कम अन्तर सहयोग कते।

♦इस तुबारि मासिक पत्रिका समाचार पत्र एक्ट अन्तर रिजिष्ट्रि नेई भो। सिर्फ पांगि घाटि अन्तर पढ़ूं जे इ पत्रिका शुरु किओ सि।

♦तुबारि यक अवाणिज्यिक पत्रिका भो।

♦तुबारि पत्रिका कोइ मेहणु, जनजाति, त संस्कृति गल्लि कढ़ेण जे नेई छपाण लगो। अगर कोइ ईं सोचता बि त अस जिम्मेबार नेई।

♦छपाणे पेहले सोभ आर्टिकल दुई टाई पांगेई मेहणु हरालो असे। इ त खुलि बोक असि कि पेहिल बार पांगवाड़ि लिखणे सुआ मुशकिल भुन्ति त गलति बि भुन्ति। अगर कोइ लिखणे गलति असि त असि जे जरूर बोले। त अस तसे होरे संस्करण पुठ ठीक करणे कोशिश कते।

♦आर्टिकल्स ना मिएल, या घाटि मेहणु के मदद ना मिएल त तुबारि पत्रिका कदि बि बंद भुई सकति।

♦कोइ चिज छपां सि या नेई छपां जे तुबारि संपादकीय टीमे पुरा अधिकार असा।

♦अस किलाड़ केन्द्रीय पुस्तकालय, त बजार राखे ठेके भैड़ हरिरामे दुकान अन्तर तुबारि ड्रॉप बॉक्स पुठ बि अपुं सझाव ओर अर्टिक्लस रखुं जे सुविधा किओ असि।

♦अस सोभि पांगि मेहणु जे हात जोड़ कई निवेदन कते कि, तुस बि कोइ अछा अर्टिक्ल, पुराणि या नौइं कथा, कहावत, कविता, त नौवे घीत (पागवाड़ी अन्तर) लिख कइ छपां जे हेंन्नदे दिए।

तुबारि संपादकीय टीम
9418431531
9418429574
9418329200
9418411199
9418411599

CC

यक फटि सत शिकार

यक ग्रां यक तेज मेहणु थिआ। तस नउ सुनील थियु। से दर्जी कम कताथ त अबल-अबल झणे सिंतत्थ। तसे दुकान यक ग्रां अन्तर थी। तस ग्रां सुआ गन्दगी थी, तसे बझाइ जोइ तस ग्रां सुआ मच्छी भोइ गओथी। से मच्छी तस ती परीशान कतीथ। सुनील दर्जी सुसर कम न कइ बटताथ। यक रोज से सुआ परीशान भोइगा। त तेन तन्ही केआ छुटकारा पाणे सोची। तउं से बजार गा, तठिया यक मच्छी मरणे पटा घिन आ। तउ से बोता अब हेरता, मच्छी मउ की तंग कती। ती बोली कइ तेन मच्छी पुठ पट्टे बइ दीती त यके लीगी सत मच्छी मारी कइ भीइ फटाइ छेई। तउ बोता अहा! मेइ यके फट दीती त सत मारी छेई। तेन हुशियारि दी कइ बोलु। तसे दुकानी बहरी दुइ जल्हणु खड़-खड़ यक राकसे बारे बोक करण लगो थी। जे सुआ दुष्ट थिआ, से राकस सोभी केआ खाणे चीज घिन घेन्ताथ। जिखैइ मेहणु ना देंतेथ, त से तन्ही मडताथ। तन्ही जल्हणु सुनीले हुशीयरी शुण छेई। तन्ही समझु कि सुनीले यके फटी बइ सत राकस मार छड़े। से दुहे जल्हणु दौड़ दी कइ राजे केइ गेई, त राजे जे बोलु कि सुनील दर्जी यके फटि बइ सत राकसी के शिकार किआ। राजे सुनील भिआ त तस जे बोलु तु यक वीर मेहणु भो, तु तस राकस बी मार छाड़। तउ अउ तेन्धे इनाम देन्ता। सुनीले सुआ लिगि बोलु कि मेइ राकस न मारा, मेइ त मच्छी मरो असी। पर तसे कनी न शुणी। सोभी विश्वास थिआ कि तेन राकस मरो असे। सुनील राजे अगया त मनणी ऐतीथ। से राकसे गी पुजिगा त राकसे तुबारि बइ हेरण लगा। जिखैइ तेन राकस काआ से बोडा थिआ, त तेस हेर कइ से डरीगा। तउं से सोचुण लगा, अस फाट जतु राकस भला अउ की मरी सकता। आगर अऊ असे यक खुर पढ़े ऐइ घियाल त में अटोड़ी सोब भीं निस घेन्ती। पर मउ कुछ न कुछ त करणु ऐन्तु। राजे केहणा मनु बी सुखता न थिआ। तेन अपु मन अन्तर सुआ तरीके सोचे। पर सोभी अन्तर कोइ न कोइ कमी भोइ घेन्तीथ। पता तसेरे दर्जी कम तसे कम ओऊ। तेन सोचु कि अस राकसे ऑसी सी छऊ त तउ से खाइ पी बी न सकता। तसे बेलिये से कमजोर भोइ घेन्ता। राति जपल राकस उघो थिआ, दर्जी तसे ऑसी सि छऊ होउस भ्यागे राकस जिखैइ खांजे खांण लगा त तसे ऑसी खुलतु न थियु। तस सुआ लेहेर आइ, किस कि तस सुआ डुक लगो थी। पर ऑसी बन भुणे बझाइ जोइ से किछे न खइ बटताथ। जिसम केंआ बोडा भोइ कइ बी तस अन्तर अकल न थी। किस कि तस अपु ऑसी जोइया टके खुणे यादे न आई। सुनील नोख कइ सोब हेरण लगो थिआ। राकस अत डरीगा कि से अपु गी केंआ बहरी ऐइगा। सुनील बी बहरी ऐइगा।तेन राकस जे बोलु, तु सोभी केंआ मफी मांग त वचन दे कि इडिआ पता अउ कसे न सतन्ता। तउं अउ ते ऑसी खोली छता। राकस अब की कता। तेन तठिआ घेणे त कपले मेहणु न सताणे वचन दिता, तउ सुनीले तसे ऑसी खोली छऊ। त राकस तठिआ घेइगा, राजे सुनीले धे सुआ धन-दौलत इनाम अन्तर दता, त सुनील सुआ खुश भोइगा।

कुछ खास खबर

- हियून्ते छुटटी के इम्ध्यान दिसम्वर मेहन अन्तर भूण लगोसे।
- एउंश सबेले डंग शीणे बोलि, साच पास झट बन्न भोइ गोऊ।
- अचेलि सुआ गाड़ी एक्सीडन्ट भूणे बझाइ जोइ पंगेई एस:डी:एम नौंआ लैइसेंस बणाणे बाड़ी के ओखा ड्रविग टेस्ट नेण लगोसा।

दुइ जिल्हणु बोकी लगोथी ..... बबीता

ADVERTISEMENT/ BEST WISHES FOR MARRIAGES, BIRTHDAYS, RETIREMENTS Etc. Please 9418429574

खुर शुणीणे बीमारी- युरिक एसीडे बीमारी कि भो? यूरिक एसीडे बीमारी कीं ऐन्ती त तसे लक्ष्ण की भुन्ते? यूरिक एसीडे बीमारी दूर करण जे याद रखणे बोक जनवारी मेहने तुबारि अन्तर झट ऐणे बाडी असी। *PMR Clinic is closed till March 2014*